सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 10 ● अंकः 289 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 27 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

यदि आपका प्रिय सौ बार रूठे तो भी रूठे हुए प्रिय को मनाना चाहिए,क्योंकि यदि मोतियों की माला टूट जाए तो उन मोतियों को बार-बार धागे में पिरो लेना चाहिए।

-रहीम दास

आज देश की पहचान संकट में... 2
सेल्फ गोल का शिकार हो गयी... 3
रायगढ़ घराने का कथक परंपरा... 7

देश में राजनीतिक बवंडर

राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता पर सवाल!

- » 19 दिसम्बर को खत्म हो जाएगी राहुल गांधी की इंडियन सिटीजनशिप!
- » इस बार सबसे तगड़ा वार, न रहेगा बांस न बजेगी बांसुरी
- » राहुल गांधी पर लगे ब्रिटेन की नागरिता होने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में पीआईएल के जरिये कई क्रांतिकारी कानून बना कर लागू किये जा चुके हैं। जिनमें सांसद की सदस्यता रद्द करना। पूर्व मुख्यमंत्रियों के घर खाली करवाना, मिड डे मील योजना और शिक्षा का अधिकार जैसे कानून शामिल हैं।

सुब्रमण्यम स्वामी ने डाली है पीआईएल

एक बार फिर पीआईएल के जरिये देश में राजनीतिक बवंडर शुरू हो चुका है और इसकी जद में कोई और नहीं बल्कि राहुल गांधी आये हैं। राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता पर सवाल खड़े किये गये हैं जिनमें कोर्ट का रुख 19 दिसम्बर को साफ हो जाएगा कि क्या किया जाए।

नागरिकता का सवाल बना मुसीबत

राहुल गांधी की ताजा मुसीबत अब उनकी नागरिकता है। राहुल गांधी को अब यह सिद्ध करना होगा कि वह भारतीय नागरिक हैं। राहुल गांधी अपनी नागरिकता बचा पाएंगे यह बड़ा सवाल क्योंकि राहुल गांधी पर हमला चौतरफा हो रहा है। बीजेपी से मौजूदा समय में राजनीतिक तौर पर अगर कोई लड़ पा रहा है, तो वह राहुल गांधी ही हैं। भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल का कद राजनीति में पीएम मोदी के समकक्ष आ चुका है और वह बीजेपी के लिए लगातार चुनौती बन रहे हैं।

इस खबर से संबंधित विस्तृत वीडियो 4PM न्यूट नेटवर्क के यूट्यूब चैनल पर देख सकते हैं

केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा मामले पर कर रहे अध्ययन

केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा है कि वह इस पर विचार कर रहा है कि क्या राहुल गांधी की नागरिकता रद्द की जानी चाहिए? राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता को लेकर कई पीआईएल दाखिल की जा चुकी है। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नागरिकता को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। पिछले महीने, विग्नेश दिल्ली हाईकोर्ट के समक्ष पेश हुए उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता के संबंध में दायर जनहित याचिका की जांच शुरू की थी। सुब्रमण्यम स्वामी की पीआईएल के बाद एस. विग्नेश शिशिर ने गृह मंत्रालय में अभ्यावेदन-सह-शिकायत दर्ज कराई है। यहीं नही उनकी नागरिकता को लेकर सीबीआई पहले ही जांच कर रही है। अब जस्टिस अताउ रहमान मसूदी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने डिप्टी-सॉलिसिटर जनरल सूर्यभान पांडे द्वारा पीठ को सूचित किए जाने के बाद विवरण मांगा है और मामले की अगली सुनवाई 19 दिसम्बर को तय की है।

"कांग्रेस से सुब्रमण्यम स्वामी की अदावत काफी पुरानी रही है। महज 24 साल की उम्र में हार्वर्ड से पीएचडी करने वाले स्वामी का इंदिरा गांधी से भी छत्तीस का आंकड़ा रहा है। बात 1968 की है। उस समय अमर्त्य सेन ने स्वामी को दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में पढ़ाने का न्योता दिया था। स्वामी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर दिल्ली में पढ़ाना शुरू कर दिया। एक साल बाद 1969 में स्वामी ने आईआईटी दिल्ली जॉइन कर लिया। इंदिरा गांधी से नाराजगी की वजह से 1972 में उन्हें आईआईटी की नौकरी गंवानी पड़ी। मामला अदालत तक पहुंचा। आखिरकार 1991 में फैसला स्वामी के पक्ष में आया। फैसले के बाद वह एक दिन के लिए आईआईटी दिल्ली गए। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया।"

पहले भी भाजपा लगा चुकी है कई आरोप

उन्हें डीएलएफ प्रकरण नेशनल हेरल्ड आदि मामलों में उलझाने की कोशिश की जा चुकी है लेकिन पूर्व में बीजेपी द्वारा लगाये गये आरोपों से बेदाग निकले हैं, लेकिन इस बार का वार सबसे खरतनाक है और मुददा उनकी नागरिकता को लेकर बनाया जा रहा है। इससे पहले सोनिया गांधी की नागरिकता का मुददा उठा कर बीजेपी पहले ही राजनीतिक बढ़त बना चुकी है। अब अगर राहुल की नागरिकता खत्म हो गयी तो फिर खेल ही खत्म हो जाएगा।

ब्रिटिश सरकार से किया गया संवाद: विग्नेश शिशिर

भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर को उम्मीद है कि भारत सरकार राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता को जल्द ही रद्द कर देगी। क्योंकि इस बार ब्रिटिश सरकार से सीधे संवाद हुआ है। इसमें यह पुष्टि की गई है कि राहुल गांधी का नाम ब्रिटेन के नागरिकता रिकॉर्ड में दर्ज है। हमने यह दस्तावेज इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सामने प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, हमारे पास कुछ गोपनीय सबूत भी हैं, जिन्हें हम

अदालत में पेश कर चुके हैं, और इससे यह स्पष्ट होता है कि राहुल गांधी ब्रिटेन के नागरिक हैं। इसलिए, हमें पूरा विश्वास है कि उनकी भारतीय नागरिकता रद्द होनी चाहिए। उन्होंने कहा, भारत में ऐसा कोई कानून नहीं है, जो दोहरी नागरिकता की अनुमति देता हो। अगर कोई व्यक्ति किसी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त करता है, तो भारतीय नागरिकता रद्द हो जाती है। भारतीय संविधान और 1955 के नागरिकता कानून के तहत यह स्पष्ट है कि यदि किसी व्यक्ति ने किसी दूसरे देश की नागरिकता ली, तो उसकी भारतीय नागरिकता रद्द हो जाएगी।

मनगढ़ंत कहानी गढ़ रही यूपी सरकार : उदयवीर

संभल हिंसा पर भाजपा व विपक्ष में वार-पलटवार जारी, बीजेपी बोली- जातीय संघर्ष हमेशा से रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल में बीते रविवार को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा पर राजनीति थमने का नाम नहीं ले रही है। इस मामले में अब यूपी सरकार पर विपक्ष का हमला जारी है। विपक्ष के जवाब में सत्ता पक्ष भी पलटवार करने में पीछे नहीं हट रहा है।

सपा नेता उदयवीर सिंह ने कहा यूपी सरकार के मंत्री के दावे पर कहा यह सब मनगढ़ंत कहानी है, कोई जातीय संघर्ष नहीं है। बीजेपी और सरकार संभल को लेकर रोज नई कहानी बता रही है, उसके कहानी में कोई नहीं आयेगा। पुलिस कुछ कह रही है, सरकार कुछ एफआईआर कुछ और कह रही है। मंत्री के आरोपों पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी बयान दिया है। ज्ञात हो कि आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा, जो दंगा कराएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। ये जगजाहिर है कि संभल में दो पक्षों के वर्चस्व की लड़ाई है, जो अभी भी जारी है। इसमें एक पक्ष सांसद का और एक विधायक का है और दोनों ही सपा के नेता हैं, जिस तरीके से सांसद और विधायक समर्थकों ने अपने वर्चस्व की लड़ाई को जारी रखते हुए माहौल को खराब करने का काम किया और दंगा कराया है।

झगड़ा पुलिस बनाम मुस्लिम है : इमरान

सांसद इमरान मसूद ने कहा, झगड़ा पुलिस बनाम मुस्लिम है। तुर्क बनाम पठान की कोई लड़ाई नहीं है, प्रत्यक्ष को प्रमाण की कोई आवश्यकता नहीं है, पुलिस के गोली मारते फुटेज है। यानी इंडिया गठबंधन के दोनों ही नेताओं ने तुर्क बनाम पठान आदि बातों को खारिज कर दिया हे। वहीं कांग्रेस सांसद ने सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि आने वाले दिनों में राहुल गांधी संभल जाएंगे। इस संबंध में यूपी बीजेपी चीफ भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि बर्क और पठान परिवार में राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। एक पार्टी में रहते हुए भी आमने-सामने चुनाव लड़े। दोनों के बीच जातीय संघर्ष हमेशा से रहा है।

जांच कमेटी के साथ किसी पक्ष को नहीं जाना चाहिये : राकेश टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने संभल मामले में कहा कि हमने बार-बार कहा कि जांच हो जाए जांच को कोई प्रभावित न करें जिसकी जगह है वह उसको मिल जाए। यह कोर्ट डिसाइड करेगा कोर्ट में केस हैं कुछ लोग उसका उकसाने का काम कर रहे हैं। कहा कि, जांच कमेटी के साथ में किसी भी आदमी को उसे पक्ष में जाना नहीं चाहिए, निष्पक्ष जांच करें, कोर्ट के आदेश पर जांच हो रही है, निष्पक्ष जांच करें, कोई आदमी साथ में न जाए, जो लोगों की डेथ हुई वह भी गलत है, हिंसा भी गलत है लेकिन इसकी जांच होनी चाहिए। किस तरह से हिंसा हुई है कैसे गोलाबारी हुई, तमंचे के बारे में कहा कि, देसी तमंचे तो कोई भी चला सकते हैं हाथों से चलता है कोई लिखा थोड़ी नहीं कौन चलाएगा कौन नहीं चलाएगा, वह तो जांच में पता चलेगा। राकेश टिकैत ने कहा कि, कुछ उपद्रवी लोग भी होते हैं जो विवाद को बढ़ावा देते हैं, अब इससे किसको फायदा होगा जांच का विषय है।

राहुल, अखिलेश और प्रियंका गांधी बौखलाहट में बयान दे रहे : केशव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संभल हिंसा के बाद वहां जाने से रोके जाने के आरोपों पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है, उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का वोट बैंक उपचुनाव में पूरी तरह से खिसक चुका है, इससे अखिलेश यादव बौखला गए हैं, उपचुनाव में हार से उन्हें जो मिर्ची लगी है, इसकी जलन अब तक समाप्त नहीं हुई है इसलिए वह बीजेपी पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कोर्ट के आदेश से संभल में जामा मस्जिद संभल का कमीशन सर्वे हो रहा था। संभल में दंगा भड़काने में सपा से जुड़े लोगों के नाम सामने आए है, उनके सांसद भी दंगे में अभियुक्त बने हुए हैं, अखिलेश यादव को यह बताना चाहिए कि उनकी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का दंगे से क्या कनेक्शन है ऐसे समय में अखिलेश यादव संभल जाकर राजनीतिक रोटी सेंकने का प्रयास कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा दंगे के लिए यूपी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए सुप्रीम कोर्ट से संज्ञान लिए जाने और प्रियंका गांधी वाड्रा के दंगे के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराए जाने पर डिप्टी सीएम ने कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और प्रियंका वाड्रा तीनों सांसद हैं, उनकी पीड़ा संभल के बवाल को लेकर नहीं है बल्कि उनकी पीड़ा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन को मिली करारी हार को लेकर है।

संविधान से जानबूझकर छेड़छाड़ कर रही भाजपा सरकार : प्रतिभा

» प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षा ने कहा- देश के लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संविधान की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से केंद्र में भाजपा नेतृत्व एनडीए सरकार संविधान से छेड़छाड़ कर इसे कमजोर करने की कोशिश कर रही है वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रतिभा सिंह ने सभा में उपस्थित कार्यकर्ताओं और सेवादल पदाधिकारियों को संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में मानव अधिकारों की रक्षा की है। आज केंद्र सरकार उन अधिकारों का हनन कर रही है। एक सोची-समझी रणनीति के तहत भाजपा आंबेडकर के संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि देश के लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने इसके लिए कांग्रेसजनों को एकजुट होने का आह्वान किया।

'दिल्ली में वोट लेने को भाजपा कर रही साजिश'

सीएम आतिशी का आरोप- एसडीएम और अधिकारियों के माध्यम से नाम कटवा रही है केंद्र सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सीएम आतिशी ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्लीवालों के खिलाफ एक बहुत बड़ा षड्यंत्र रच रही है। गलत तरीके से चुनाव जीतने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर दिल्लीवालों के वोट काटने का काम शुरू कर रही है। इस षड्यंत्र के तहत 28 अक्तूबर को दिल्ली के 29 एसडीएम-एडीएम का ट्रांसफर किया गया और उसके बाद अधिकारियों को बड़े स्तर पर वोट काटने का आदेश दिया गया है।

आतिशी ने कहा, अब ऑफिसों से ईआरओ-बीएलओ को आदेश दिए जा रहे हैं। उन्हें एक वोटर लिस्ट दी जा रही है, जिसमें से आम आदमी पार्टी के वोटरों के नाम हैं और उन्हें वोटर लिस्ट से काटना है। मेरी सभी ईआरओ-बीएलओ से अपील है कि यदि किसी भी अधिकारी द्वारा उन पर ऐसा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है तो उसकी रिकॉर्डिंग कर मुझे भेजे। लोकतंत्र की हत्या के इनके षड्यंत्र का पर्दाफाश करें, ताकि इन अधिकारियों पर सख्त कारवाई की जा सकें।

ईडी के खिलाफ अरविंद केजरीवाल ने दायर की याचिका, सुनवाई कल

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर 28 नवंबर को सुनवाई तय की है। याचिका में दावा किया गया है कि उन्हें उनके खिलाफ ईडी के मामले में मंजूरी आदेश की प्रति नहीं मिली है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने ईडी को अपना जवाब दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया और मामले को निर्धारित तिथि पर विस्तृत सुनवाई के लिए तय किया। 23 नवंबर को अदालत ने केजरीवाल के अनुरोध के जवाब में ईडी को नोटिस जारी किया। अपनी याचिका में केजरीवाल ने बताया कि हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि आरोप पत्र दायर करते समय आवश्यक मंजूरी प्राप्त कर ली गई थी। अरविंद केजरीवाल की ओर से पेश वकील मुदित जैन ने कहा कि आरोप पत्र के साथ दिए गए दस्तावेजों (जिन पर भरोसा किया गया और जिन्हें जारी नहीं किया गया) में आवश्यक मंजूरी की कोई प्रति शामिल नहीं थी।

आज देश की पहचान संकट में है: महबूबा

» पीडीपी नेता बोलीं- संभल हिंसा संवैधानिक मूल्यों पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि संविधान दिवस के मौके पर यह देखना दुखद है कि देश का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय अत्यधिक खतरों का सामना कर रहा है।

पीडीपी प्रमुख ने उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा का जिक्र किया, जहां एक अदालत के आदेश पर मुघल कालीन मस्जिद के सर्वे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान चार लोग मारे गए थे। महबूबा मुफ्ती ने अपने पोस्ट में लिखा आज जब हम संविधान दिवस मना रहे हैं, यह दुखद है कि हमारे देश का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय अत्यधिक खतरों का सामना कर रहा है। उनका सम्मान, जीवन, आजीविका और पूजा स्थल हमलों का शिकार हो रहे हैं, जो संविधान द्वारा हर नागरिक के लिए समान अधिकार और सम्मान की गारंटी के खिलाफ है। उन्होंने संभल में हुई हिंसा को एक दर्दनाक याद बताया।

सेल्फ गोल का शिकार हो गयी दिल्ली में बीजेपी

सीएम केजरीवाल की रणनीति सब पर पड़ेगी भारी

» जनता की सोच : दिल्ली विस चुनाव भाजपा जीती तो सुविधाएं हो जाएंगी बंद

» आप के स्थापना दिवस पर शीर्ष नेतृत्व ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अंक गणित और राजनीतिक गणित में ज्यादा फर्क नहीं होता। यह बात दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रूफ कर दी है। जिस प्रकार से गणित में माइनस-मानइस, प्लस होता है उसी प्रकार से राजनीति में भी निगेटिव और निगेटिव को जोड़ दें तो वह प्लस हो जाता है। दरअसल पीएम मोदी और भारतीय जनता पार्टी के दूसरे बड़े नेताओं ने पूरे देश में घूम-घूम कर सरकारी योजनाओं का जो नैरेटिव सेट किया था वहीं नैरेटिव दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी की फांस बन गया है।

बीजेपी ने जनहित में जारी केजरीवाल सरकार की योजनाओं को फ्री की रेवड़ी बताया और इसके विरोध में नैरेटिव सेट किया। अब अरविंद केजरीवाल दिल्ली की सड़कों पर यह कह-कह कर घूम रहे हैं कि यदि बीजेपी चुनाव जीत गयी तो दिल्ली की जनता को मिलने वाली योजनाओं को बंद कर देगी। दिल्ली की जनता भी इस सोच में पड़ गयी है और उसे लग रहा है कि केजरीवाल सही कह रहे है। उनका यह प्रचार लोगों को भा रहा है और उनके प्रति महौल बनना शुरू हो गया है। वह इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। और शायद यही कारण है कि दूसरी राजनीतिक पार्टियां जहां अभी चुनावी कैंपेन भी नहीं शुरू कर पायी है आप पार्टी ने अपने उम्मीदवार तक घोषित कर दिये हैं।

आम आदमी ने अपनी ताकत पहचानी : अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि 2012 में आज का ये दिन इतिहास का वो पल है, जब देश के आम आदमी ने अपनी ताकत पहचानी और आम आदमी पार्टी की स्थापना की। अब तक का हमारा ये सफ़र संघर्ष, बलिदान और जीत की कहानियों से भरा रहा। पिछले एक साल में तो हमें मिटाने की लाख कोशिशें हुईं, लेकिन हमारी ईमानदारी, जनता के प्यार और कार्यकर्ताओं के हौसले ने हमें और मजबूत बना दिया। हम अन्याय और तानाशाही के खिलाफ पहले से ज्यादा मजबूती से खड़े हैं।

भारत बनेगा नम्बर वन

आम आदमी पार्टी की स्थापना दिवस के मौके पर दिल्ली के मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, आम आदमी पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएँ। 12 साल पहले शुरू हुई इस क्रांति ने करोड़ों लोगों के दिलों में काम की राजनीति के ज़रिए उम्मीद और बदलाव का सपना जगाया और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस सपने को पूरा किया जा रहा है। 12 साल का यह सफर आसान नहीं था। हर दिन एक नई चुनौती आई लेकिन हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत, विश्वास और जनता के प्यार से हम आगे बढ़ते रहे। आइए इस स्थापना दिवस पर संकल्प लें कि, आम आदमी को बेहतर जिंदगी देने की इस क्रांति को देश के हर हिस्से में पहुंचाएंगे और भारत को दुनिया का नंबर.1 देश बनायेंगे।

हर वर्ग के लोग आप से जुड़ना चाहते हैं : प्रियंका

आम आदमी पार्टी (आप) की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने सोमवार को दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव सहित अन्य मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। प्रियंका कक्कड़ के मुताबिक जनता ने हमारी पार्टी को इतना पसंद किया जाता है कि आज हर वर्ग के लोग आप से जुड़ना चाहते हैं। हम लोग हर चुनाव को गंभीरता से लेते हैं। सच्चाई यह है कि भाजपा डरी हुई है कि आम आदमी पार्टी ने चुनाव की घोषणा से पूर्व 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि रेवड़ी पर चर्चा के दौरान करीब 65 हजार बैठकें होंगी। इन बैठकों में हम दिल्ली की जनता को बताएंगे कि भाजपा इस चुनाव में कोशिश कर रही है कि दिल्ली की जनता को जो सुविधाएं मिल रही हैं, उन्हें रोक दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुफ्त सुविधाओं के खिलाफ हैं। अगर भाजपा गलती से दिल्ली चुनाव जीत गई तो लोगों को मिल रही फ्री की सुविधाएं बंद कर देगी।चुनाव से पहले पार्टी छोड़ने वाले नेताओं के आरोपों पर उन्होंने कहा कि कई प्रमुख नेता हमारी पार्टी छोड़कर चले गए, लेकिन उससे भी अधिक प्रमुख नेता हमारे साथ आए हैं। सभी का स्वागत है। कुछ लोग चले गए हैं, जबकि कई नए लोग शामिल हो रहे हैं और हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। 26 नवंबर को आम आदमी पार्टी की स्थापना दिवस से जुड़े सवाल पर आप प्रवक्ता ने कहा कि जनता से आम आदमी पार्टी को बहुत प्यार और स्नेह मिला है। पार्टी को इतना प्यार इसलिए मिला है क्योंकि आजादी के बाद से किसी भी पार्टी ने जनता की मूलभूत सुविधाओं पर काम नहीं किया है। 2024 में हम लोग फ्री पानी, फ्री बिजली, अच्छी शिक्षा दे रहे हैं। मंगलवार को पार्टी के 12 साल हो जाएंगे। दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकार है। हर जगह दिल्ली के मॉडल को पसंद किया जा रहा है। हम खुश हैं कि आम आदमी पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है।

मिल्कीपुर चुनावों का रास्ता साफ होने के बाद बढ़ी चुनावी सरगर्मी, भाजपा-सपा ने शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिल्कीपुर में उपचुनाव का रास्ता साफ होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक हलचल बढ़ने की उम्मीद है। सपा व भाजपा समेत वहां के लिए तैयारी शुरू कर चुके हैं। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर 15 अक्तूबर के पहले भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह चौपाल लगाकर प्रचार-प्रसार शुरू किया था।

मिल्कीपुर के उपचुनाव की घोषणा टलने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी भी फीकी पड़ गई थी। अब जब रास्ता साफ हो गया है तो एक बार फिर से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, पदाधिकारी क्षेत्र में सक्रिय होंगे।

अंबेडकरनगर की कटेहरी विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा ने सपा को बड़े अंतर से हराकर मिल्कीपुर में भी भाजपा के लिए आशा की नई किरण पैदा कर दी है। 23 नवंबर को उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव के आए नतीजों से लबरेज भारतीय जनता पार्टी मिल्कीपुर में कमल खिलाकर फैजाबाद सीट हारने का धब्बा मिटाना चाहती है। आम चुनाव में भाजपा से यह सीट छीनकर अपनी झोली में डालने वाली समाजवादी पार्टी भी इसे कतई गंवाना नहीं चाहती। इसके लिए वह पूरा दमखम लगाने के लिए तैयार है। अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती देने वाली पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा व एक अन्य की याचिका वापस होने के बाद मिल्कीपुर में चुनाव के रास्ते खुल गए हैं।

अवधेश प्रसाद की प्रतिष्ठा दांव पर

बहुजन समाज पार्टी ने मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए पहले ही अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। कटेहरी में समाजवादी पार्टी ने सांसद लाल जी वर्मा की पत्नी को विधानसभा का प्रत्याशी बनाया था। जिससे सपा पर विपक्षी दलों ने परिवारवाद का भी आरोप लगाया। मिल्कीपुर में भी सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को समाजवादी पार्टी ने टिकट दिया है। ऐसे में मिल्कीपुर में भी सपा को परिवारवाद का आरोप झेलना पड़ सकता है। 2022 आम चुनाव में अवधेश प्रसाद के विधायक चुने जाने के बाद पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने निर्वाचन आयोग में उनके की ओर से दिए गए शपथ पत्र को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जो अब वापस हो चुकी है।

संभल जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

सपा का एक प्रतिनिधिमंडल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव की अध्यक्षता में संभल जाएगा। इसमें सांसद जावेद अली, हरिंदर मलिक, रुचि वीरा, जिया उर रहमान बर्क व नीरज मौर्य और बरेली के जिलाध्यक्ष शिवचरण कश्यप और मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष जयवीर यादव शामिल रहेंगे। राज्यसभा सांसद जावेद अली ने बताया कि शीघ्र ही यह प्रतिनिधिमंडल संभल में जाकर लोगों के दुख-दर्द बांटेगा।

उपचुनाव में कथित धांधली के सुबूत आयोग को सौंपेगी सपा

सपा नेतृत्व ने उपचुनाव में सभी नौ सीटें जीतने का दावा किया था, लेकिन परिणाम उसकी अपेक्षा से एकदम विपरीत आए। मुस्लिम बहुल कुंदरकी सीट भी भाजपा ने उससे छीन ली। सपा के हाथ सिर्फ दो सीटें सीसामऊ और करहल ही आईं। सपा नेता लगातार कह रहे हैं कि पार्टी समर्थक मतदाताओं को पुलिस ने बूथ तक आने से रोका। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में वोटों की लूट की। पुलिस ने ईवीएम के बटन दबाकर फर्जी मतदान किया। जिन मतदाताओं को रोका गया, पार्टी उनसे शपथपत्र ले रही है। मतदान के दिन और उससे पहले पुलिस कार्रवाई के जो वीडियो बनाए गए थे, उन्हें भी इकट्ठा किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि शीघ्र ही दिल्ली में चुनाव आयोग को यह सारे सुबूत सौंपे जाएंगे। पार्टी कोर्ट में जाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भी कहना है कि गड़बड़ करने वाले अधिकारियों को सजा दिलवाने के लिए वे अदालत समेत हरसंभव विकल्प को अपनाएंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संविधान की रक्षा करना सबकी जिम्मेदारी!

26 नवम्बर को पूरे देश ने संविधान दिवस मनाया। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष समेत सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि संविधान भारत के हर व्यक्ति को ताकत देता है। इसको हमारे पूवर्जों ने ऐसा बनाया है जिसमें सभी भारतवासियों को हर वह अधिकार दिए गए हैं जो उसे जीवन में आवश्यक हैं। भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था। दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है।भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। आज चूकि इतने साल हो चुके पर हमारे संविधान ने ही हमारे लोकतंत्र को बचाए रखा है। इसलिये आज हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह संविधान की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहे।

“ संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है। इसलिये आज हर भारतीय की जिम्मेदारी है कि वह संविधान की रक्षा के लिए सदा तत्पर रहे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वराज से सुराज तक संविधान की अमृत यात्रा

ओमप्रकाश धनखड़

भारत का संविधान अपने शानदार 75 वर्ष पूरे कर रहा है, भारत सरकार व देश ने 26 नवंबर से 26 जनवरी तक संविधान की हीरक जयंती मनाने का निर्णय किया है, 26 नवंबर को देश भर में संविधान दिवस के कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं।

देश का जन संविधान व संविधान की विशेषताएं, संविधान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेगा व अधिक जागरूकता के साथ जहां अपने अधिकारों व कर्तव्यों को समझेगा। वहीं, संविधान की ताकत व संवेदनशील मुद्दों को भी आत्मसात् करेगा।

75 वर्ष की इस शानदार यात्रा में भारत एक सुदृढ़ लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। दुनिया के बहुत सारे देश भारत को अपने आदर्श के रूप में देखते हैं। आम भारतीय भी दुनिया के इस नजरिये से अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 देशों का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान मिलना, भारत के सम्मान का द्योतक है। संविधान की 75 वर्ष की यात्रा में संविधान ने अनेक प्रश्नों को झेला है। पुराने कानूनों का बोझ, बदलते युगानुरूप नये क़ानून, आपातकाल और उसमें नागरिक अधिकारों की अनुपस्थिति- लोकतंत्र का काला अध्याय, बार-बार तोड़ी गई विपक्षी सरकारें, अल्पमत सरकारों के संकट से संविधान सफलतापूर्वक गुजरा है, सदैव अपने नये कलेवर में संसाधनों के साथ, अधिक तेजस्विता के साथ उपस्थित हुआ है। पिछले लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चर्चा में भारतीय संविधान ही था। विपक्ष द्वारा उठाई, संविधान की पुस्तक सर्वाधिक मीडिया की सुर्ख़ियां बनी। एक छद्म विमर्श उपस्थित किया गया संविधान बदलने का। जन मानस पर उसका असर भी दिखाई दिया। लेकिन आज सहज जागरूक नागरिक के रूप में हम भारत के लोग उस विमर्श से सत्य पर आ गये, क्योंकि सत्य हर विमर्श को ढाह देता है। सामयिक संशोधनों के साथ-साथ, भारत का संविधान अपने मौलिक स्वरूप में सदैव अवस्थित रहा है।

आजादी का सूरज उदय होने के समय, हमारे संविधान निर्माण के लिए भारतीय संविधान सभा के सदस्य जुलाई, 1946 में चुने गए थे। संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर, 1946 में हुई थी। इसके बाद देश दो भागों भारत और पाकिस्तान में बंट गया था। संविधान सभा भी दो हिस्सों में बंट गई, भारत की संविधान सभा और पाकिस्तान की संविधान सभा। भारतीय संविधान लिखने वाली सभा में 299 सदस्य थे जिसके

अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान सभा ने 26 नवम्बर, 1949 में अपना काम पूरा कर लिया। इसी संविधान प्रारूप लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने संविधान की पहली प्रति संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ?. राजेंद्र प्रसाद जी को समर्पित की। 26 जनवरी, 1950 को हमारा यह संविधान लागू हुआ। इसी दिन की याद में भारत में हर वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। जो एक महान पर्व बन गया है। भारतीय संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन का समय लगा था।

भारत के संविधान का मूल आधार ब्रिटिश भारत सरकार अधिनियम 1935 को माना जाता है। इस में लगभग 250 अनुच्छेद इस अधिनियम से लिये गए हैं। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। दुनिया में शासन बनते ही शासन चलाने के नियम बनाने पड़े, यही नियम आज दुनिया के देशों में संविधान के रूप में है। सदैव एक ही प्रकार के नियमों से संचालन संभव नहीं है, स्थिति के बदलाव के साथ ही नियमों में बदलाव आवश्यक है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान संशोधन का प्रावधान तय किया।

संविधान निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित थे, इसमें केवल 8 अनुसूचियां थीं। भारतीय संविधान में वर्तमान समय में भी 448 अनुच्छेद, तथा 12 अनुसूचियां हैं और ये 25 भागों में विभाजित हैं।

हमारे संविधान ने अपने मूल रूप में स्थापित रहते हुए, आवश्यक बदलावों को सहज अंगीकार किया है। इन 75 वर्षों में स्वराज से सुराज की यात्रा भारत के संविधान ने की है। नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की है। सहजता से शासन के बदलाव की परम्परा को कायम किया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अखंड रखा है।

भारत के लोगों का संविधान पर विश्वास प्रगाढ़ हुआ है। हम भारत के लोग अपने संविधान के माध्यम से भारत के सम्पूर्ण प्रभुता सम्पन्न राष्ट्र, मज़बूत लोकतंत्र, सर्वधर्म समभाव, अंतिम व्यक्ति की प्रगति के विशेष अवसरों के साथ-साथ विषमता आर्थिक व सामाजिक विषमता समाप्त करने और राष्ट्र के रूप मे एक विकसित राष्ट्र बनाने में कामयाब हो रहे हैं। भारत के संविधान की देखरेख भारत की अमृत पथ यात्रा की ओर अग्रसर है। संविधान के हर पहलू पर विशेष अध्ययन के रूप में इस हीरक जयंती को हम मनायें।

विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित हो

भारत ने कार्बन और हरित गैसों के उत्सर्जन को निम्न स्तर पर लाने का संकल्प लिया है, लेकिन वित्तीय संसाधनों और तकनीकी मदद के अभाव में जलवायु परिवर्तन से निपटना बेहद कठिन हो रहा है। ग्लेशियरों का असमय पिघलना, बाढ़ और अनिश्चित मानसून के कारण कृषि संकट में पड़ गई है। कॉप-29 सम्मेलन से यह उम्मीद थी कि दुनिया के सभी प्रमुख देश मिलकर इस समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

सुरेश सेठ

ग्लोबल वार्मिंग के कारण उत्पन्न असाधारण परिस्थितियां गंभीर चुनौती बन चुकी हैं, जिसके समाधान हेतु वैश्विक स्तर पर चर्चा की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, दुनियाभर के देश बाकू में आयोजित कॉप-29 सम्मेलन में एकत्रित हुए, जहां इन समस्याओं से निपटने के उपायों पर विचार किया गया। हालांकि, सम्मेलन के पहले सप्ताह के बाद भारत ने यह स्पष्ट किया कि यह समस्या विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए भारी संकट बन गई है, और इस दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है।

समस्या स्पष्ट है कि औद्योगिक विकास और आधुनिकीकरण के कारण उत्पन्न प्रदूषण यानी कार्बन व हरित गैसों का उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के चलते पर्यावरण में भयंकर परिवर्तन हो रहे हैं। यह समस्या केवल ग्लोबल साउथ (विकासशील देश) के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए गंभीर संकट बन चुकी है। हालांकि, कुछ वैश्विक उत्तर (विकसित देश) के देश यह मानते हैं कि पर्यावरणीय संकट की जिम्मेदारी सिर्फ विकासशील देशों पर है, और उन्हें ही इसका समाधान करना चाहिए। निस्संदेह, यह गलत सोच है। अब इस समस्या को गंभीरता से स्वीकार करने और समाधान की दिशा में प्रयासों की आवश्यकता है।

भारत ने कार्बन और हरित गैसों के उत्सर्जन को निम्न स्तर पर लाने का संकल्प लिया है, लेकिन वित्तीय संसाधनों और तकनीकी मदद के अभाव में जलवायु परिवर्तन से निपटना बेहद कठिन हो रहा है। ग्लेशियरों का असमय पिघलना, बाढ़ और अनिश्चित मानसून के कारण कृषि संकट में पड़ गई है। कॉप-29 सम्मेलन से यह उम्मीद थी कि दुनिया के सभी प्रमुख देश मिलकर इस समस्या का समाधान ढूंढ़ेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सम्पन्न देशों के नेताओं ने सम्मेलन में भाग नहीं लिया, और न ही भारत सहित अन्य देशों ने मिलकर प्रभावी रणनीति बनाई। इसके बजाय, केवल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहा।

बाकू में कॉप-29 शिखर सम्मेलन किसी महत्वपूर्ण सफलता के बिना समाप्त हो गया, जहां विकसित और विकासशील देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। इस समय जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता है, ताकि आर्थिक गतिविधियां सुचारु रहें और ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ न्यायसंगत कदम उठाए जा सकें। मांग हुई है कि संपन्न देशों को 1.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर अनुदान और रियायती वित्त सहायता के रूप में देना चाहिए, लेकिन वास्तविकता यह है कि अब तक जितना भी वित्त पोषण हुआ है, वह अधिकतर ऋण के रूप में विकासशील देशों को दिया गया है, जिससे उनकी राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता पर संकट उत्पन्न हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण विकासशील देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है। भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने मौसम के पैटर्न को अप्रत्याशित बना दिया है। किसानों के लिए मानसून अब अनिश्चित हो चुका है। इस स्थिति में कृषि की प्रगति नहीं, बल्कि उसका संकट बढ़ता जा रहा है। भारत और अन्य दक्षिणी देशों को जलवायु परिवर्तन के सबसे भयानक प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है। संपन्न देश यह तर्क देते हैं कि कार्बन उत्सर्जन और ग्लोबल वार्मिंग के मुख्य जिम्मेदार उभरते हुए विकासशील देश हैं, और इसलिए इन्हें ही इस संकट का सामना करना चाहिए। उनका कहना है कि उनका औद्योगिक विकास और प्रौद्योगिकी अब बदल चुकी है, और वे कृत्रिम मेधा और इंटरनेट का सर्वाधिक उपयोग कर रहे हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम हो गया है। इस स्थिति में जलवायु परिवर्तन से निपटने की प्रक्रिया केवल भाषणों तक सीमित रह गई है, और असल कार्रवाई होती दिखाई नहीं देती। भारत ने विकसित देशों से निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक वे वित्तीय और प्रौद्योगिकी सहायता नहीं देते, तब तक यह प्रयास सार्थक नहीं हो पाएगा। भारत ने यह भी सवाल उठाया कि विकसित देशों के पास पर्याप्त संसाधन और क्षमता होने के बावजूद वे इस वैश्विक समस्या को गंभीरता से क्यों नहीं स्वीकारते।

भारत और अन्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के भयावह प्रभावों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इन देशों की अपनी क्षमताएं इस संकट से निपटने के लिए सीमित हैं। यह स्पष्ट है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान विकसित और विकासशील देशों को मिलकर ही करना होगा, क्योंकि इस संकट का असर अंततः सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। भारत ने जी-77 देशों के सम्मेलन में भी संपन्न देशों से वित्तीय प्रतिबद्धताओं पर जवाबदेही की मांग की है। यह सवाल भी उठाया कि कार्बन उत्सर्जन के नियंत्रण की तिथियों को आगे बढ़ाने से क्या हासिल होगा, जब आर्थिक असंतुलन पहले ही सभी देशों के सामने आ चुका है।

वेज सैंडविच

झटपट बनने वाली चीजों में वेज सैंडविच काफी सही विकल्प है। अगर आपका मन है तो आप इसे सेक भी सकती हैं। वरना ये मेयोनीज वाली सैंडविच खाने बिना सिके भी खाने में स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे, टमाटर, एवोकैडो, लाल प्याज और पके हुए चुकंदर को धोकर पतले टुकड़ों में काट लें। ये जीवंत, पोषक तत्वों से भरपूर सब्जियाँ आपके सैंडविच का दिल बनेंगी, और आपके भोजन में स्वाद और स्वास्थ्य लाभ दोनों जोड़ देंगी। प्रत्येक सैंडविच को सावधानीपूर्वक आधा तिरछे या इच्छानुसार काटें। अपने शाकाहारी सैंडविच में स्वाद, बनावट और पौष्टिक सामग्री के स्वादिष्ट और रंगीन संयोजन का आनंद लेने के लिए तुरंत परोसें।

कटलेट

आलू के कटलेट खाने में काफी स्वादिष्ट लगते हैं। इसे सूजी या फिर ब्रेड क्रम्स में लपेट कर जब आप सेकेंगे तो ये और भी ज्यादा कुरकुरे बनेंने। चाय के साथ आप इसे परोस सकती हैं। कटलेट को आप ब्रेड से बना सकते हैं। इन्हें ब्रेड के साथ मिश्रित करके कटलेट बना सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि ये कटलेट सेहतमंद हों, तो आप इन्हें फ्राई करने के बजाए बेक कर सकते हैं। कटलेट को डीप फ्राई करने से एक कुरकुरी परत बन जाती है।

मेहमानों के लिए झटपट बनाएं ये स्नैक्स

बड़ों के साथ बच्चे भी खाकर होंगे खुश

कई बार ऐसा होता है कि घर पर अचानक मेहमान आ जाते हैं, ऐसे में समझ नहीं आता कि उन्हें नाश्ते में क्या परोसा जाए। वैसे तो हर समय बाजार में कुछ ना कुछ आपको मिल ही जाता है लेकिन बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो बाजार का बना नाश्ता करना पसंद नहीं करते। बहुत से लोग तो अपने मेहमानों को रेडीमेड मिलने वाला नाश्ता की बजाय घर पर कुछ बनाकर खिलाना पसंद करते हैं। तो आप इन पकवानों को बनाकर अपने मेहमानों का दिल जीत सकती हैं। ये ऐसे स्नैक्स हैं जो बड़ों से लेकर बच्चों तक को पसंद आते हैं।

पापड़ चाट

हर घर में पापड़ तो आसानी से मिल ही जाता है। ऐसे में अगर आप कुछ फटाफट बनाना चाहती हैं तो पापड़ चाट एक बेहतर विकल्प है। इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस पापड़ चाट को शाम की चाय के लिए बनाएं और गर्मागर्म चाय और कॉफी के साथ इसका आनंद लें। अगर आप एक ऑफ-बीट रेसिपी ट्राई करना चाहते हैं, तो पापड़ और नमकीन का ये फ्यूजन आपको बहुत पसंद आएगा। रोजमर्रा की सामग्री का इस्तेमाल करते हुए इस चाट को बना सकते हैं। चाट मसाला के साथ अपनी पसंद की कटी हुई सब्जियां डालें और आनंद लें।

क्रिस्पी कॉर्न

जिनके घर में बच्चे होते हैं, उनके घर में आपको कॉर्न मिल जाएंगे। ऐसे में जब कोई मेहमान आपके घर अचानक आ गया है तो आप उसे क्रिस्पी कॉर्न बनाकर खिला सकती हैं। कोल्ड ड्रिंक के साथ अगर आप इसे परोसेंगी तो लोग आपकी तारीफ जरूर करें। इसके लिए घर में 2 कप स्वीट कॉर्न, 1/4 कप कॉर्न फ्लॉर, 2 बड़े चम्मच चावल का आटा, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च और लाल मिर्च, अमचूर पाउडर, नमक स्वादानुसार लें।

कोल्ड सलाद

बच्चों को ये काफी पसंद आता है। इसमें आपको लगातार रसोई में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आप इसे उबालकर पहले ठंडा करें और फिर अपने हिसाब से सब्जियां डालकर इस कोल्ड सलाद को तैयार करें। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है।

स्प्रिंग रोल

बाजार में स्प्रिंग रोल की शीट बनी बनाई मिल जाती हैं। इन शीट से आप तत्काल स्प्रिंग रोल तैयार कर सकती हैं। अगर आपके पास ज्यादा वक्त है तो सब्जियों की जगह आप इसमें नूडल्स बनाकर भर सकती हैं। स्प्रिंग रोल्स एक पॉपुलर और स्वादिष्ट एशियाई डिश हैं। इसे बनाने में थोड़ी मेहनत है लेकिन मुश्किल नहीं है। इससे एक तो पैसे बचेंगे दूसरा पार्टी में मेहमान स्वादिष्ट और कुछ हेल्दी खाएंगे। क्योंकि बाजार से मिलने वाले स्नैक्स किस तरह से बनें है उनमें किस तेल का इस्तेमाल हुआ है ये जानकारी नहीं होती।

हंसना मना है

लड़की: क्या मैं तुम्हें जानती हूं? लड़का: नहीं, लड़की: फिर तुमने मुझे फ्रेंड रिक्वेस्ट क्यों भेजी? लड़का: क्योंकि फेसबुक बार-बार मुझसे तुम्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने के लिए कह रहा था और मैं फेसबुक को नाराज नहीं करना चाहता था।

फकीर- आपके पड़ोसी ने पेट भर कर खाना खिलाया है, आप भी कुछ खिलाओ। चिंटु- ये लो हाजमोला।

पत्नी- आखिर औरत क्या-क्या संभाले? तुम को संभाले, तुम्हारे बच्चे संभाले, तुम्हारे मां बाप को संभाले, या तुम्हारा घर संभाले ! पति - (बड़े सुकून से जवाब देता है) औरत सिर्फ अपनी जबान संभाले बाकी सब अपने आप संभल जायेगा।

लड़का- तुम्हारा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है? लड़की- नहीं है, लड़का- झूठ ! लड़की- झूठ बोल के क्या मिलेगा? लड़का- एक नया बॉयफ्रेंड और क्या..

बबलू -तू स्कूल क्यों नही जाता, पप्पू- कई बार गया अंकल वो वापिस भगा देते है, बबलू -क्यों? पप्पू- कहते है भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल में?

कहानी | कौवा और कोयल

चांदनगर के पास एक जंगल में बड़ा-सा बरगद का पेड़ था, जिसपर एक कौवा और एक कोयल दोनों अपने-अपने घोंसले में रहते थे। एक रात उस जंगल में तेज आंधी चलने लगी। देखते-ही-देखते बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में जंगल का जो भी था सब बर्बाद हो गया। अगले दिन कौवे और कोयल को अपनी भूख मिटाने के लिए कुछ भी नहीं मिला। तभी कोयल ने कौवे से कहा कि हम इतने प्यार से इस जंगल में रहते हैं, लेकिन अब हमारे पास खाने के लिए कुछ नहीं है। तो क्यों न जब मैं अंडा दूं, तो तुम उसे खाकर अपनी भूख मिटाना और जब तुम अंडा दोगे, तो उसे खाकर मैं अपनी भूख मिटा लूंगी? कौवे ने कोयल की बात पर सहमती जताई। संयोग से सबसे पहले कौवे ने अंडा दिया और कोयल ने उसे खाकर अपनी भूख मिटा ली। फिर कोयल ने अंडा दिया। कौवा जैसे ही कोयल का अंडा खाने लगा तो कोयल ने उसे रोक दिया। कोयल ने कहा कि तुम्हारी चोंच साफ नहीं है। तुम इसे धोकर आओ। फिर अंडा खाना। भागकर कौवा नदी के किनारे गया। उसने नदी से कहा, तुम मुझे पानी दो। मैं अपनी चोंच धोकर कोयल का अंडा खाऊंगा। नदी बोली पानी के लिए तुम एक बर्तन लेकर आओ। अब कौवा जल्दी से कुम्हार के पास पहुंचा। उसने कुम्हार से कहा कि मुझे घड़ा दे दो। कुम्हार ने कहा कि तुम मुझे मिट्टी लाकर दो, मैं तुम्हें बर्तन बनाकर दे देता हूं। यह सुनते ही कौवा, धरती मां से मिट्टी मांगने लगा। वो बोला, मां मुझे मिट्टी दे दो। धरती मां बोली, मैं मिट्टी दे दूंगी, लेकिन तुम्हें खुरपी लानी होगी। उसी से खोदकर मिट्टी निकलेगी। दौड़ते हुए कौवा लोहार के पास पहुंचा। उसने लोहार से कहा, मुझे खुरपी दे दो। लोहार ने गर्म-गर्म खुरपी कौवे को दे दी। जैसे ही कौवे ने उसे पकड़ा उसकी चोंच जल गई और कौवा तड़पते हुए मर गया। इस तरह चतुराई से कोयल ने अपने अंडे कौवे से बचा लिए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन

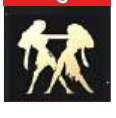

कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह

स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी।

कन्या

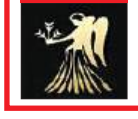

नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

तुला

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

धनु

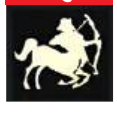

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुम्भ

निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सुख के साधनों पर व्यय होगा।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

बॉलीवुड | अप कमिंग

खत्म हुई 'पुष्पा 2' की शूटिंग 5 दिसंबर को होगी रिलीज

साउथ सिनेमा का इस साल के पहले महीने में फिल्म 'हनुमान' से जैसा हल्ला देश-दुनिया में हुआ, वैसा फिर दोबारा पूरे साल दिखा नहीं है। 'देवरा'में जूनियर एनटीआर, सैफ अली खान और जान्हवी कपूर का जादू नहीं चला। 'कंगुवा' में सूर्या और बॉबी देओल दर्शकों को लुभा नहीं पाए। 'मटका' में वरुण तेज, मीनाक्षी चौधरी और नोरा फतेही को न तेलुगु में पानी मिला और न ही हिंदी में। ले-देकर तमिल फिल्म 'अमरण' ने ही थोड़ी बहुत लाज बचाई और अब बारी है 'पुष्पा 2' की। इस फिल्म की शूटिंग अब जाकर खत्म हो पाई है। निर्देशक सुकुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग शुरू से ही सामान्य गति से नहीं चल पाई। कभी अल्लू अर्जुन और सुकुमार के बीच मतभेद की खबरें आईं। अल्लू अर्जुन के गेट अप बदलने की भी खूब बातें हुई और फिर दोनों अलग अलग छुट्टियां मनाने विदेश तक चले गए। किसी तरह मामला सुलटा तो पता चला कि फिल्म के विलेन फहद फासिल की तारीखें ही नहीं मैच हो रही हैं। इसी चक्कर में इस साल 15 अगस्त को रिलीज होने वाली फिल्म अब दिसंबर में रिलीज होना तय हुई है। फिल्म का प्रचार शुरू हो चुका है। अल्लू अर्जुन पटना और चेन्नई में फिल्म के ट्रेलर और गाने लेकर घूम आए हैं। फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए देवी श्री प्रसाद उर्फ डीएसपी के साथ-साथ और भी कई संगीतकार हाथ आजमाने आए हैं। इस सबके बीच निर्देशक सुकुमार फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। फिल्म का जो आइटम गाना श्री लीला पर फिल्माया गया है, उसका असर समांथा के गाने 'ऊ अंटावा' जैसा बिल्कुल नहीं है। ये गाना तुरत फुरत में फिल्माया गया है और फिल्म के तमाम दृश्यों का पैचवर्क भी निकलता रहा है। जानकारी के मुताबिक फिल्म 'पुष्पा 2' के पैचवर्क की फाइनल शूटिंग सोमवार को जाकर खत्म हो सकी है। पैचवर्क की शूटिंग लगातार बढ़ते जाने के बीच चर्चाएं ये भी शुरू हो गई थीं कि फिल्म की रिलीज हो सकता है कि 5 दिसंबर से आगे खिसक जाए। लेकिन, सोमवार की देर रात शूटिंग का फुटेज देखने के बाद फिल्म की टीम की जो मीटिंग हुई है, उसके मुताबिक फिल्म अपनी तय तारीख 5 दिसंबर को ही रिलीज होगी।

इश्कजादे में परिणीति की कास्टिंग के खिलाफ थे अर्जुन कपूर

अर्जुन कपूर ने 2012 में परिणीति चोपड़ा के साथ इश्कजादे में अपने अभिनय की शुरुआत की। लेकिन उस समय, परिणीति अपनी पहली फिल्म लेडीज वर्सेस रिकी बहल के साथ शोबिज में कदम रख चुकी थीं, जबकि वह सेट पर काफी शांत और मजेदार थीं। लेकिन फिल्म में परिणीति के साथ काम के बाद अर्जुन का रवैया बदल गया। अर्जुन ने यह स्वीकार किया कि जब उनकी फिल्म इश्कजादे की कास्टिंग हुई थी, तब वह परिणीति चोपड़ा के खिलाफ थे। लेकिन मॉक शूट के दौरान वह परिणीति की एक्टिंग स्किल्स से दंग रह गए। अर्जुन ने यह भी कहा कि वह बहुत बातूनी थी। अर्जुन ने कहा कि परी अक्सर इमोजी में बात करती थी और यह तब था जब उन्हें लगा कि वह भूमिका के लिए गंभीर नहीं है। परि के साथ इस फिल्म में काम को लेकर मुझे ऐसा लग रहा था कि मेरा करियर खत्म हो गया है। उस समय परिणीति रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा के साथ लेडीज वर्सेज रिकी बहल कर रही थीं । इसलिए, अर्जुन को लगा कि उनके पास कुछ भी दांव पर नहीं है। क्योंकि यह उनकी पहली फिल्म ही थी।

बोले- मुझे वह बहुत बातूनी लगती थी

अर्जुन ने कहा, उस समय मैं 24 साल का था और मैंने सोचा था कि मैं अपना करियर बनाना चाहता हूं। लेकिन जब उन्होंने मॉक शूट किया, तो अर्जुन उसके हुनर को देखकर इतना हैरान रह गए। वह अपनी डायलॉग और एक्टिंग भूल गए। अर्जुन ने कहा, अचानक कैमरा ऑन हुआ और उसकी आंखों में आग लग गई। तब मुझे लगा कि वह यह कर सकती हैं। काम की बात करें तो परिणीति को आखिरी बार इम्तियाज अली की अमर सिंह चमकीला में दिलजीत दोसांझ के साथ देखा गया था। तो वहीं अर्जुन कपूर निर्देशक रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में डेंजर लंका का किरदार निभाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया।

एआर रहमान मेरे लिए पिता समान हैं : मोहिनी

एआर रहमान ने 29 साल की शादी के बाद अपनी पत्नी सायरा बानो से अलग होने की घोषणा की, जिससे उनके शुभचिंतकों का दिल टूट गया। तलाक के बाद, इंटरनेट पर एआर रहमान और उनकी बेसिस्ट मोहिनी डे के बीच कथित रिश्ते के बारे में कई जानकारियां सामने आईं, लेकिन इन सभी बातों का खंडन करते हुए मोहिनी ने एआर रहमान को अपने पिता जैसा बताया है।

मोहिनी ने अपने पति मार्क हार्टसच से भी तलाक ले लिया, जिसकी वजह से इस तरह की अफवाहें फैली, लेकिन मोहिनी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि एआर रहमान उनके लिए पिता समान हैं। मोहिनी के इस वीडियो ने उन ट्रोलर्स को मुंह बंद करा दिया गया, जो गलत सूचना फैला रहे थे और निराधार धारणाएं बना रहे थे। इंस्टाग्राम वीडियो में मोहिनी डे ने ऑस्कर विजेता संगीतकार के साथ लिंक-अप की अफवाहों को संबोधित किया। उन्होंने उन्हें अपना आदर्श और पिता जैसा बताया। उन्होंने यह भी बताया कि एआर रहमान की एक बेटी भी डे की ही उम्र की है और उनके साथ साढ़े आठ साल तक बेसिस्ट के तौर पर काम करने से उनके करियर को काफी आकार मिला है। उन्होंने आगे कहा कि वे एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और प्यार साझा करते हैं। मोहिनी ने लोगों से दयालु होने और उनकी निजता का सम्मान करने को कहा, क्योंकि उनका तलाक व्यक्तिगत और दर्दनाक दोनों था। वीडियो के साथ, उन्होंने अपने प्रशंसकों के लिए एक लंबा नोट लिखा, मेरे और एआर रहमान के खिलाफ इतनी सारी गलत और निराधार जानकारियां गलत हैं। मैं एआर रहमान के साथ उनके साथ फिल्मों और टूर में काम करने के दौरान एक बच्चे के रूप में अपने समय का सम्मान करती हूं।

बॉलीवुड | मसाला

धरती की सबसे सुनसान जगह, जहां सुनाई देती हैं रहस्यमयी आवाजें

दुनिया में कई बेहद रहस्यमयी जगहें हैं। इन जगहों के बारे में जानकर लोगों को यकीन नहीं होता है। धरती पर एक ऐसी ही जगह स्थित है, जो चारों तरफ से प्रशांत महासागर से घिरी हुई है। इस जगह को प्वाइंट निमो कहा जाता है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इसकी खोज करने वाले वैज्ञानिक भी अभी तक यहां पर नहीं पहुंच सके हैं। इंसानों की आबादी से हजारों किलोमीटर दूर स्थित इस जगह पर जाना आसान नहीं है। धरती की इस रहस्यमयी जगह पर चारों तरफ सिर्फ सन्नाटा है। साल 1992 में एक सर्वे इंजीनियर ने प्वाइंट निमो की खोज की थी, जिनका नाम हर्वोज लुकातेला था। इस जगह पर न कोई इंसान है और न ही कोई वनस्पति। यहां पर अंतरिक्ष की खराब सैटेलाइट को गिराया जाता है। सैटेलाइट के ईंधन को गिराने के लिए भी इस जगह का इस्तेमाल किया जाता है और इस जगह का इस्तेमाल सैटेलाइटों के कबाड़ को इकट्ठा करने के लिए किया जाता है। इस जगह पर हजारों किलोमीटर में सैटेलाइटों का मलबा पड़ा है। समुद्र के बीचों-बीच स्थित प्वाइंट निमो को समुद्र का केंद्र भी माना जाता है। यह जगह दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच मौजूद है। सबसे खास बात यह है कि इस जगह पर किसी देश का अधिकार नहीं है। इस द्वीप से 2,700 किमी दूर सूखी जमीन है। माना जाता है कि यह दुनिया की सबसे अकेली जगह है, क्योंकि यहां पर न अधिक जीव-जंतु हैं और न ही वनस्तपति। इस सन्नाटा भरी जगह की आवाज से ही लोगों की रूह कांप जाती है। वैज्ञानिकों ने साल 1997 में प्वाइंट निमो के पूर्व में एक रहस्यमयी आवाज सुनी थी। यह लगभग दो हजार किमी दूर से सुनी गई थी। यह ब्लू व्हेल की आवाज से भी तेज थी, जिसने वैज्ञानिकों को उलझाकर रख दिया। वैज्ञानिक समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर यह किस चीज की आवाज है। कुछ लोगों का मानना था कि यह आवाज दूसरी दुनिया की थी। कुछ लोगों ने आवाज को लेकर कई तरह की थ्योरी भी गढ़ी। इस भयानक आवाज को सुनने वाले लोग डर गए।

अजब-गजब | दुनिया की ये हैं सबसे गर्म जगहें

जहां इंसान की हो सकती है मौत

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका: दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। यहां का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

डेथ वैली, कैलिफोर्निया: कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन: चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

ल अजीजिया, लीबिया: लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में ल अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी।

रायगढ़ घराने का कथक परंपरा में अमूल्य योगदान : यास्मीन सिंह

कला और संस्कृति की अद्भुत धरोहर को समर्पित रहा आयोजन

» कथक परंपरा पर आधारित पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की समृद्ध विरासत को संरक्षित और प्रचारित करने के उद्देश्य से एवं कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान के रूप में, यास्मीन सिंह ने रायगढ़ घराने के कथक परंपरा पर आधारित दो पुस्तकों का लोकार्पण किया। यह पुस्तकें कथक नृत्य की समृद्ध विरासत और रायगढ़ घराने के योगदान को उजागर करती हैं। यास्मीन सिंह ने अपने संबोधन में कहा, रायगढ़ घराने का कथक परंपरा में अमूल्य योगदान रहा है। महाराजा चक्रधर सिंह की सौंदर्यबोध और उनके द्वारा किए गए कार्यों को हमें कभी भुलाना नहीं चाहिए। इन पुस्तकों का लोकार्पण एक महत्वपूर्ण कदम है जो कथक नृत्य की विरासत को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

यास्मीन सिंह के इस प्रयास की सराहना करते हुए, हमें उम्मीद है कि यह पुस्तकें कथक प्रेमियों और कला संरक्षकों के लिए एक अमूल्य संसाधन सिद्ध होंगी। यास्मीन सिंह कला जगत के लिए एक वरदान से कम नहीं हैं। नए जनरेशन के कथक कलाकारों के बीच यास्मीन एक उदीयमान नाम है, जिन्होंने अपनी अद्वितीय प्रतिभा और समर्पण से कथक जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है। यास्मीन सिंह की कथक यात्रा की शुरुआत इंदौर के प्रसिद्ध गुरु मधुकर जगताप जी के संरक्षण में हुई। उनकी मार्गदर्शन में यास्मीन ने कथक की बारीकियों को सीखा और इस कला के प्रति अपनी समर्पण को बढ़ाया। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, रायगढ़ घराने की कथक परंपरा भारतीय शास्त्रीय नृत्य का एक महत्वपूर्ण अंग है। डॉ. यास्मीन सिंह की इन पुस्तकों के माध्यम से हम राजा चक्रधर सिंह की अनमोल विरासत को संरक्षित और प्रचारित कर सकते हैं।

कई पुस्तकों ने प्राप्त की ख्याति

कथक नृत्य प्रणेता और संरक्षक- राजा चक्रधर सिंह- यह पुस्तक राजा चक्रधर सिंह के जीवन, उनके बचपन, शिक्षा, रायगढ़ रियासत, कला और कलाकारों के संरक्षक के रूप में उनकी भूमिका, रायगढ़ घराने की स्थापना, और कथक नृत्य के विकास में उनके अभूतपूर्व योगदान पर केंद्रित है। इसमें उनकी रचनात्मक दृष्टि, शास्त्रीय संगीत और नृत्य में उनकी गहन पकड़, और उनके द्वारा रचित अनूठी ताल और बंदिशों का उल्लेख किया गया है। रायगढ़ घराने की कथक रचनाओं का सौंदर्यबोध- यह पुस्तक रायगढ़ घराने की रचनाओं की विशिष्टताओं, सौंदर्यशास्त्र और उनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

यास्मीन सिंह को मिले हैं कई प्रतिष्ठित सम्मान

यास्मीन सिंह को अद्वितीय प्रतिभा और समर्पण के लिए कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। इनमें से कुछ प्रमुख पुरस्कार हैं-संस्कृति मंत्रालय द्वारा सीनियर फेलोशिप, आईसीसीआर द्वारा प्रमाणित एकल कलाकार, दूरदर्शन की उत्कृष्ट कलाकार, संस्कार भारती, छत्तीसगढ़ की उपाध्यक्ष का पद रहीं।

वक्ताओं ने रायगढ़ घराने के महत्व पर साझा किए विचार

पुस्तकों के संकलकों और लेखकों ने उनकी रचना प्रक्रिया और रायगढ़ घराने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सांस्कृतिक सत्र में श्रोताओं को पुस्तक की विषयवस्तु और कथक के विकास पर सवाल-जवाब करने का अवसर दिया गया।

रायगढ़ घराने की परंपरा को विश्व मंच पर लाने का प्रयास

इस समारोह ने रायगढ़ घराने की महान परंपरा को विश्व मंच पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन पुस्तकों का लोकार्पण केवल साहित्य का प्रकाशन नहीं है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का एक सराहनीय प्रयास है।

भारतीय संविधान की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराया

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में व्याख्यान का हुआ आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के इतिहास विभाग ने संविधान दिवस के अवसर पर सुप्रीम लॉ आफ द लैंड पर महाविद्यालय में एक व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ डॉ सुमन गुप्ता प्राचार्या के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने संविधान दिवस के महत्व को चिन्हित करते हुए भारतीय संविधान की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराया।

इस अवसर पर प्रबुद्ध अधिवक्ता उच्च न्यायालय लखनऊ अलीना मसूदी ने छात्र छात्रों एवं महाविद्यालय के शिक्षकगणों को सम्बोधित करते हुए संवैधानिक मूल्यों, संविधान का महत्तव व कर्तव्यों के प्रति महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सजग किया। कार्यक्रम के अंत में इतिहास विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अमेरिकी न्याय विभाग ने रिश्वतखोरी का आरोप नहीं लगाया : अडानी समूह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी ग्रीन एनर्जी ने एक स्टेटमेंट जारी किया है जिसमें कहा गया है कि गौतम अडानी, सागर अडानी और वरिष्ठ निदेशक विनीत जैन अमेरिकी न्याय विभाग के रिश्वतखोरी के सभी आरोपों से मुक्त हैं। वहीं समूह ने कहा कि उनके पास पैसे की कमी नही हैं बिना कर्ज पूरी योजनाएं पूरी कर सकते हैं।

एजीईएल ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अडानी ग्रुप के अधिकारियों - गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और वरिष्ठ निदेशक विनीत जैन पर अमेरिकी विदेश भ्रष्टाचार कानून (एफसीपीए) के तहत रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे, जो कि पूरी तरह गलत हैं।

» अडानी ग्रुप बोला- पैसे की कमी से नहीं रुकेंगी योजनाएं

अडानी ग्रीन एनर्जी ने स्पष्ट किया है कि गौतम अडानी, सागर अडानी और विनीत जैन पर अमेरिकी विदेश भ्रष्टाचार कानून के तहत रिश्वतखोरी का आरोप नहीं लगाया गया है। कंपनी ने जोर देकर कहा कि केवल, एजएओए के अधिकारियों और एक कनाडाई निवेशक पर ही रिश्वतखोरी के आरोप लगे हैं।

जाली दस्तावेज लगाने पर 8 वकीलों समेत 10 पर केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। सीबीआई ने नीतीश कटारा की हत्या मामले के गवाह उनके भाई अजय कटारा को बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने के लिए जाली दस्तावेजों के आधार पर विशेष अनुमति याचिका दायर करने के आरोप में आठ वकीलों और दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उच्चतम न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की, जिसने मामले की जांच करने का निर्देश दिया था।

कथित तौर पर याचिका दायर करने वाले व्यक्ति ने दावा किया था कि उसने अजय कटारा के खिलाफ बलात्कार का आरोप लगाने वाली उसकी बेटी से जुड़े मामले में किसी वकालतनामा पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। राजनीतिक नेता डी.पी. यादव के बेटे और भतीजे को 17 फरवरी, 2002 को 23 वर्षीय नीतीश के अपहरण और हत्या का दोषी ठहराया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने अजय के खिलाफ शिकायत करने वाली महिला, उसके पति और आठ वकीलों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है जो उच्चतम न्यायालय में एसएलपी दायर करने में शामिल थे। महिला के पिता, जिनके नाम पर न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई थी, ने कहा कि 2013 में जब से उसने भागकर शादी की है, तब से वह उसके पास नहीं है और इसलिए वह उस पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते। बदायूं पुलिस ने अजय कटारा के खिलाफ महिला द्वारा दर्ज कराए गए कथित बलात्कार के मामले को बंद कर दिया था, क्योंकि उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला था।

» नीतीश कटारा के भाई अजय कटारा को फंसाने की हुई थी कोशिश

» उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीबीआई ने की कार्रवाई

जिस मामले में आजीवन कारावास काट रहा था उसी से आरोपी हुआ बरी

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हत्या के एक मामले में लगभग 12 साल से जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे अभियुक्त को बरी कर दिया है। न्यायालय ने निर्णय में हिन्दू धर्मशास्त्रों व न्याय शास्त्र के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि दस गुनहगार भले छूट जाएं, लेकिन एक बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने अभियुक्त को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। यह निर्णय न्यायमूर्ति एआर मसूदी व न्यायमूर्ति अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रथम की खंडपीठ ने अरुण कुमार की वर्ष 2013 की आपराधिक अपील को मंजूर करते हुए पारित किया। 23 फरवरी 2013 के सत्र न्यायाधीश, अम्बेडकर नगर के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी जिसमें वर्तमान अपीलार्थी व एक अन्य को हत्या के मामले में दोषी करार देते हुए, आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई थी। अपील के विचाराधीन रहते, दूसरे अभियुक्त अवधेश कुमार तिवारी की मृत्यु हो गई। घटना नहारिया गांव की 18 अगस्त 2004 की है। आरोप था कि दोनों अपीलार्थी और तीन अन्य लोग 12 बोर के हथियार से लैस होकर वादिनी सीता देवी के घर के पास आए और तिल्थू को अरुण कुमार उर्फ भल्ले तिवारी ने उसे गोली मार दी।

फिर हंगामे की भेंट चढ़ा संसद सत्र

संसद की कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित, अडानी और संभल पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो चुका है। हालांकि विपक्ष के हंगामे के चलते एक भी दिन सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल नहीं पाई है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर हुए खास आयोजन की वजह से सदनों की कार्यवाही नहीं हुई थी।

बुधवार को एकबार फिर सत्र प्रारंभ हुआ पर विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष अडानी और संभल बवाल को लेकर सदन में उठाने के लिए लगातार मांग करता रहा। इस पर हंगामा बढ़ने पर संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा भी हंगामे के चलते सुबह 11.30 बजे तक के लिए स्थगित हो गई है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अदाणी की गिरफ्तारी की मांग की है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई विपक्ष अडानी, संभल, मणिपुर और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर नारेबाजी कर रहा था और प्रश्नकाल को भी नहीं चलने दिया गया।

कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने अडानी समूह के कथित कदाचार और इस मुद्दे पर जेपीसी गठन के मुद्दे पर चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है। कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गौतम अडानी के अभियोग के मुद्दे पर चर्चा के लिए राज्यसभा में नियम 267 के तहत कार्य स्थगन नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया और गौतम अडानी पर अभियोग के मुद्दे पर चर्चा की मांग की।आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बढ़ते अपराध के ग्राफ को लेकर नियम 267 के तहत राज्यसभा में कार्य स्थगन का नोटिस दिया है।

वायनाड के प्रति केंद्र की उपेक्षा के खिलाफ विरोध करेंगे राहुल, प्रियंका

कांग्रेस ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन से बचे लोगों के लिए केंद्रीय सहायता की कथित कमी के खिलाफ वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह प्रदर्शन करेगी। पार्टी नेता और कलपेट्टा विधायक टी सिद्दीकी ने भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने में केंद्र की कथित अनिच्छा को 'अमानवीय' दृष्टिकोण बताया। वायनाड में 30 जुलाई को आई आपदा ने अट्टमाला के कुछ हिस्सों के साथ-साथ तीन गांवों - पुंचिरीमट्टम, चूरलमाला और मुंडक्कई के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था। सरकार के अनुसार, इस घातक आपदा में 231 लोगों की जान चली गई, जबकि 47 लोग अब भी लापता हैं।

बिहार में विपक्ष का सदन में हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» विपक्ष ने बिहार में एनडीए सरकार पर बोला हमला

» आंखों पर पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे राजद विधायक

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर विधानसभा परिसर में नीतीश सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विधानसभा के शीतकालीन सत्र तीसरे दिन भी विपक्ष का प्रदर्शन जारी रहा।

राष्ट्रीय जनता दल के विधायकों ने आंखों पर काली पट्टी बांधकर विधानसभा परिसर में नीतीश सरकार के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। राजद विधायक मुकेश रोशन ने कहा कि बिहार में बहार है, गोलियों की बौछार है। जनता महंगाई और बढ़ते अपराधी से त्रस्त हो चुकी है। राजद विधायक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि कसते हुए कहा कि मैं सुशासन बाबू हूं, मुझे कुछ नहीं दिख रहा है। वहीं जीविका दीदियों की मांगों को लेकर माले विधायकों ने भी जमकर प्रदर्शन किया।

नीतीश के दिल में गोडसे बसते हैं : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास अभी भी वक्त है। अगर आप संविधान में विश्वास करते हैं तो अगर आप गांधी जी के विचार में विश्वास करते हैं तो किसी भी कीमत पर आप इस बिल का समर्थन मत कीजिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सिर्फ गांधी की बात करते हैं लेकिन उनके दिल में गोडसे बसता है। हालांकि, आपके नेताओं ने आपके निर्देश पर पार्लियामेंट में समर्थन किया है। आपके पास अभी भी समय है। आप अपनी गलती को सुधारिये नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उपमुख्यमंत्री पर हमला बोलते हुए कहा कि सम्राट चौधरी को शर्म आनी चाहिए। लालू यादव के चक्कर में बीपी सिंह को गाली खाना पड़ा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संबंध में तेजस्वी यादव ने कहा कि उनके कथनी और करनी में अंतर होता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास अभी भी वक्त है अगर आप संविधान में विश्वास करते हैं तो अगर आप गांधी जी के विचार में विश्वास करते हैं तो किसी भी कीमत पर आप इस बिल का समर्थन मत कीजिए।

आरोपी आशीष मिश्रा पर लगे गवाहों को धमकाने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गवाहों को धमकाने के आरोप पर जवाब देने का निर्देश दिया। इस हिंसा में आठ लोगों की मौत हुई थी।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मिश्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे को एक हलफनामा दाखिल करने को कहा, जिसमें उनके मुवक्किल को आरोपों का खंडन किये जाने के बाद अपना रुख स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया। एक शिकायतकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने शुरुआत में अदालत को बताया था कि उन्होंने एक याचिका दायर की है, जिसमें आशीष मिश्रा पर गवाहों को धमकाने का आरोप लगाया गया है।

बैलेट पेपर से चुनाव हो तो भाजपा को 25 सीटें भी नहीं मिलेंगी : राउत

» महाराष्ट्र-हरियाणा चुनाव के नतीजे को हम स्वीकार नहीं करते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजों को विपक्ष स्वीकार करने को तैयार नहीं है, अब तो वह बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहा है, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि जब तक बैलेट पेपर से चुनाव नहीं कराए जाते हमें नतीजा स्वीकार नहीं है।

संजय राउत ने कहा कि ईवीएम पर कौन सवाल उठा रहा है, हम तो 10 साल से सवाल उठा रहे हैं, जब कांग्रेस की सरकार थी तो बीजेपी ने सवाल उठाया था। आप मोदी जी के भाषण सुनिए, ईवीएम एक फ्रॉड है। संजय राउत ने आगे बड़ा दावा करते हुए कहा, जब ईवीएम नहीं रहेगा तो बीजेपी को देश में 25 सीटें भी न हीं मिलेगी। जिस तरह से महाराष्ट्र के नतीजे, जिस तरह हरियाणा के नतीजे आए हम उसे स्वीकार नहीं करते, बैलेट पेपर पर चुनाव कीजिए और जो नतीजे आएंगे हम उसे स्वीकार करेंगे।

हमें संसद से न्याय की उम्मीद नहीं

क्या विपक्ष संसद में ईवीएम का मुद्दा उठाएगा? संजय राउत ने कहा, जिस सदन में नेता प्रतिपक्ष का माइक भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाने पर बंद कर दिया जाता है तो हमें क्या न्याय मिलेगा? जब सुप्रीम कोर्ट हमें न्याय नहीं दे रहा है तो संसद क्या न्याय देगा?

डिवाइडर तोड़ ट्रक से टकराई कार, पांच की मौत

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा, मृतकों में सैफई मेडिकल कॉलेज के थे सभी डॉक्टर

» लखनऊ से शादी समारोह से वापस लौटते वक्त हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक घायल हैं। कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ ट्रक से टकरा गई। हादसे में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के पांच डॉक्टरों की दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तड़के साढ़े तीन बजे के करीब किलोमीटर संख्या 196 हादसा हुआ।

हादसे में सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के पांच डॉक्टरों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे का शिकार हुए सभी डॉक्टर लखनऊ से शादी समारोह से वापस लौट रहे थे। सुबह 3:43 पर कंट्रोल रुम से सूचना मिली कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 196 पर हादसा हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। स्कार्पियो आगरा जा रही थी, नींद आने के कारण कार डिवाइडर तोड़ कर आगरा से लखनऊ जाने वाली दिशा में पहुंच गई। इसके बाद आगरा की तरफ से आ रहे ट्रक से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में अनिरुद्ध वर्मा पुत्र पवन कुमार वर्मा निवासी राधा विहार एक्सटेंशन कमला नगर आगरा समेत पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर घायल है। घायल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करा दिया गया है। शवों को मोर्चरी में रखा गया है।

बताया गया कि सभी मृतक डॉक्टर हैं और सैफई मेडिकल कॉलेज में पीजी कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ.दिलीप सिंह ने बताया कि सभी के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रक चालक मौके से भाग गया है।

एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि तिर्वा पुलिस को हादसे की जांच के आदेश दिए गए हैं। मरने वालों में अनिरुद्ध वर्मा (29) पुत्र पवन कुमार वर्मा निवासी राधा विहार एक्सटेंशन, कमला नगर आगरा, संतोष कुमार मौर्य पुत्र जीत नारायण मौर्य निवासी राजपुरा भाग-3 भदोही संत रविदास नगर, अरुण कुमार पुत्र अंगद लाल निवासी तेरा मल्लू मोचीपुर, कन्नौज, नरदेव पुत्र राम लखन गंगवार निवासी बायपास रोड नजदीक श्याम चरण स्कूल नवाबगंज बरेली, एक व्यक्ति अज्ञात है व जयवीर सिंह पुत्र करण सिंह निवासी बुद्ध विहार मुरादाबाद गंभीर घायल है। उसका इलाज चल रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।